संख्या-411/2017/2415/22-2-2016-17(207)/2010

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊः दिनांक 08 जून, 2017***

विषयः- केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सत्यप्रकाश पुत्र श्री गंगा प्रसाद निवासी जनपद- एटा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-42941/प्रोबे0-5-द0या0 बैठक-28.10.2016 दिनांक 02.12.2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र दिनांक 02.12.2016 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सत्यप्रकाश पुत्र श्री गंगा प्रसाद निवासी-हरानाथ, थाना-सोरों, जनपद-कासगंज वर्तमान पता म0न0-408 रानी अवन्तीबाई नगर, शिकोहाबाद रोड, जिला-एटा का रहने वाला है। बन्दी द्वारा जमीन के विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 06.08.1994 को 10 सहअभियुक्त के साथ मिलकर बन्दूक, देशी तमन्चा एवं हैण्ड ग्रेनेड से मारकर 03 व्यक्तियों की हत्या कर अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध के लिए बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-44/1995 में भा0द0वि0 की धारा-148, 149, 307, 302 के अन्तर्गत मा0 षष्टम अपर सत्र न्यायाधीश, एटा के आदेश दिनांक 16.11.1995 को मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया। मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 27.09.1996 द्वारा मृत्युदण्ड को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 31.07.2016 तक 21 वर्ष 01 माह 20 दिन की अपरिहार एवं 39 वर्ष 03 माह 20 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी की आयु, कारित अपराध की प्रकृति, जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। सक्षम स्तर पर यह पाया गया कि बन्दी के 02 सहअभियुक्त अभी जेल में हैं। अतः समयपूर्व रिहाई का औचित्य स्थापित नहीं होता है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी सत्यप्रकाश (बन्दी संख्या-26593) पुत्र श्री गंगा प्रसाद, निवासी-जनपद-एटा की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-411/2017/2415/(1)/22-2-2016 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, एटा।
2- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
3- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in